8. गुलमर्ग की खिड़की से एक रात

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) गुलमर्ग का भौगोलीक वातावरण कैसा है ?

- गूलमर्ग ऊंचाई पर पहाड़ियो से घिरा हुआ ठंडा स्थान है |

2) लेखक ने गुलमर्ग के साथ व्यक्ति की आत्मीयता बढ़ने का क्या कारण बताया है ?

- लेखकने गुलमर्ग के अपार आकर्षण को उसके साथ व्यक्ति की आत्मीयता बढ़ने का कारण बताया है |

3) खिड़की के पास खड़ा लेखक बरसाती घटा को देखकर किस बात की प्रतीक्षा करने लगा ?

- खिड़की के पास खड़ा लेखक बरसाती घटा को देखकर इस बात की प्रतीक्षा करने लगा की वह उस तक पहुंचे और उसे अपने में लपेट ले |

4) तूफान के एकाएक रूक जाने पर लेखक को कैसा अनुभव हुआ ?

- तूफ़ान के एकाएक रूक जाने पर लेखक को ऐसा अनुभव हुआ जैसे उसका दम घुटने लगा हो |

5) लेखक को किस बात का अफसोस हुआ ?

- लेखक को इस बात का अफसोस हुआ की वह बरसाती घटा उसके बराबर नही हो सकी |

6) लेखक ने गुलमर्ग की पगडंडियो के लिए क्या उपमा दी ?

- लेखक ने गुलमर्ग की पगडंडीयों के लिए पतली-पतली नरम बाँहो की उपमा दी |

2. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-दो वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) गुलमर्ग से विदाह लेते समय सैलानियों को कैसा अहसाह होता है ?

- गुलमर्ग में रहते हुए सैलानियों को उससे गहरी आत्मीयता हो जाती है | इसलिए वहा से विदा लेते समय उन्हे अपने आपसे बिछुड़ने का अनुभव होता है |

2) लेखक ने गुलमर्ग के दिन को वाचाल क्यो कहा ?

- गुलमर्ग में रात आते ही सबकुछ खामोश हो जाता है | दीन में सैलानियों के कारण वहा बहुत चहल-चहल रहती है | इसलिए लेखक ने गुलमर्ग के दिन को वाचाल कहा |

3) सैलानी कब और क्यो सिहर जाते है ?

- सैलानी बर्फबारी होने पर अत्यंत ढंड्क के कारण सिहर जाते है |

4) लेखक की प्रतीक्षा असफल क्यों हुई ?

- लेखक तूफानी हवा के साथ आ रही बरसती घटा से घिर जाने की प्रतीक्षा कर रहा था | लेकिन तूफान रुक जाने से घटा उस तक नही पहुची | इसलिए लेखक की प्रतीक्षा असफल हुई |

1. निम्नलिखित प्रश्नों के पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) लेखक ऐसा क्यो कहता है की गुलमर्ग को कभी पूरा देखा नही जा सकता ?

- गुलमर्ग में रहकर वहा के साथ व्यक्ति की आत्मीयता बहुत गहरी हो जाती है | यहा तक की व्यक्ति अपने आपको वहा के सपाट मैदान का एक हिसा समझने लगता है | वहा के जिस परिसर में व्यक्ति रहता है, वह उसके भीतर समा जाता है | आत्मीयता का कोई ओर-छोर नही होता | इसलिए लेखक को लगता है की गुलमर्ग को कभी पूरा देखा नही जा सकता |

2) 'दीन में गुलमर्ग की शोभा' का वर्णन अपने श्ब्दों में कीजिए |

- दीन में गुलमर्ग का हरा-भरा रूप आंखो को मुग्ध कर देता है | धरती से लेकर आकाश तक हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है | हरी घास के बीच तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूल खिलते है | वातावरण में नई-नई कोपलें फुट आती है | सौलानी घुड़सवारी का आंनंद लेते नजर आते है | हर क्षण नए अनुभव और रोमाच की सृष्टि होती है | आकाश में बादलो के नन्हें-नन्हें द्विप तैरते दिखाई देते है | पगडंडिया भेड़-बकरियो के रेवड़ो से ढक जाती है | इस तरह दिन में गुलमर्ग की शोभा देखाने लायक होती है |

3) प्रकाश, बादल तथा हवा के कारण गुलमर्ग दर्शन में आए रोमांच का वर्णन कीजिए |

- गुलमर्ग प्रकृति की क्रीड़ास्थली है | बर्फ से ढके पहाड़ो पर सूर्य का प्रकाश सुनहली आभा प्रकट करता है | आकाश से बरसते बर्फ के पारदर्शक कण प्रकाश में उज्ज्वल हो उठते है | बादलो के समूह आकाश में ऐसे विचरते है जैसे नन्हें-नन्हें द्विप इधर-उधर भटक रहे हो | सुहावनी लगनेवाली हवा एकाएक तूफान का रूप ले लेती है, तेज हवा के साथ बरसाती

घटाए तेजी से आगे बढ़ती है | बीच-बीच में बिजली भी कौंधने लगती है | इस प्रकार प्रकाश, बादल और हवा के कारण गुलमर्ग एक अनोखे रोमांच से भर जाता है |

4. पंक्तियोंका आशय स्पष्ट कीजिए |

1) गुलमर्ग में सपने फूल बनकर उगते है – हरियाली के आर-पार लाला-लाल छतों के ऊपर आकाश में |

- गुलमर्ग के रंगीन फुल रंगीन और सुंदर सपनों की तरह होते है | हरी-भरी घास पर दूर-दूर तक फूल ही फूल दिखाई देते है | लाला रंग की छतों पर भी फुल नजर आते है |

2) रंगीन बिन्दुओ का पूरा विस्तार एक बार सिहर जाता है और अपने को समेटने लगता है |

- मौसम सुहावना था | हरी घास पर बैठे रंग-बिरंगे कपड़े पहने हुए तरह-तरह के सैलानी सुहावनी वातावरण का आनंद ले रहे थे | तभी बुँदे गिरने लगी और सैलानी उठ-उठकर सुरक्षीत जगहों में जाने लगे |

5. हरियाली का सपना कुहासे के फूल में से फूल में बदल जाता है – यह दृश्य किस समय का है ?

(A) प्रात:काल

(B) दोपहर

(C) सायंकाल

(D) अर्धरात्रि

6. [1] उचित प्रत्यय जोड़कर उनके विरूद्धार्थी शब्द बनाइए :

1) **साधारण – असाधारण**
2) **मान – अपमान**
3) **उदार – अनुदान**
4) **रंग – बेरंग**
5) **स्मृति – विस्मृति**

6. [2] उचित प्रत्यय जोड़कर विशेषण शब्द बनाइए :

1) सुरमा – सुमरई
2) बरसात – बरसाती
3) तूफान – तूफानी
4) चमक – चमकदार, चमकीला
5) विस्फोट – विस्फोटक

6. [3] उचित प्रत्यय जोड़कर संज्ञा बनाइए :

1) लाल – लालिमा
2) खामोश – खामोशी
3) कमजोर – कमजोरी
4) आकर्षण – आकर्षण

7. वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1) विस्फोट
- बम विस्फोट से आसपास के मकान हिल उठे |

2) आकर्षण
- तितलियों को फूलो का बड़ा आकर्षण रहता है |

3) पारदर्शक
- घना कोहरा अब पारदर्शक होने लगा है |

4) रोमांचक
- जादूगर ने बड़े रोमांचक खेल दिखाए |